रूढ़ियाँ तोड़ने वाली जंदादिल अदाकारा जोहरा

जोहरा का जन्म एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 27 अप्रैल 1912 को हुआ था। वह सात भाई बहनों में तीसरे नंबर की थीं और उनका लालन पालन देहरादून में चकराता के पास हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए लाहौर गईं। एक नृत्यांगना के रूप में उन्होंने जापान, मिस्त्र, यूरोप और अमेरिका में कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उनका विवाह वैज्ञानिक, चित्रकार और नृतक कामेश्वर सहगल से अगस्त 1942 में हुआ।

जोहरा सहगल, भारतीय सिनेमा से जुड़ा एक ऐसा नाम है, जिसने लंबे अरसे तक अपनी अदाकारी से कई पीढ़ियों को प्रेरणा दी। जोहरा का 102 साल की उम्र में एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। जोहरा ने अमिताभ बच्चन के साथ 'चीनी कम' में उनकी मां की भूमिका से लेकर 'दिल से' में शाहरूख खान की दादी की भूमिका निभाई। उन्होंने सलमान खान के साथ 'हम दिल दे चुके सनम' में काम किया। वह आखिरी बार संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' में साल 2007 में नजर आईं। उन्हें 2010 में पद्म विभूषण सम्मान से नवाजा गया था। जोहरा ने 1935 में उदय कुमार के साथ बतौर नृत्यांगना कॅरियर की शुरुआत की। वह चरित्र कलाकार के तौर पर कई हिंदी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अंग्रेजी भाषा की फिल्मों, टेलीविजन और रंगमंच के जरिए भी अपने अभिनय की छाप छोड़ी। भारतीय सिनेमा जगत में ''लाडली'' के नाम से चर्चित जोहरा कई फिल्मों का हिस्सा रहीं।

जोहरा का जन्म एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 27 अप्रैल 1912 को हुआ था। वह सात भाई बहनों में तीसरे नंबर की थीं और उनका लालन पालन देहरादून में चकराता के पास हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए लाहौर गईं। एक नृत्यांगना के रूप में उन्होंने जापान, मिस्त्र, यूरोप और अमेरिका में कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उनका विवाह वैज्ञानिक, चित्रकार और नृतक कामेश्वर सहगल से अगस्त 1942 में हुआ। उनके दो बच्चे किरन और पवन हैं। कामेश्वर की 1952 में मौत हो गई। उन्होंने 14 साल तक 'इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन' और पृथ्वीराज कपूर के 'पृथ्वी थिएटर' में अभिनय किया और वर्ष 1946 में अपनी पहली फिल्म प्रोडक्शन 'धरती के लाल' के जरिये रूपहले पर्दे पर पदार्पण किया। उन्होंने चेतन आनंद की फिल्म 'नीचा नगर' में भी काम किया। उन्होंने गुरु दत्त की चर्चित फिल्म 'बाजी' (1951) जैसी कई फिल्मों में कोरियोग्राफी की।

जोहरा वर्ष 1962 में ड्रामा स्कालरशिप पर लंदन गईं जहां उन्होंने कई टीवी प्रोडक्शन में भूमिका निभाई। वर्ष 2012 में बेटी किरन ने 'जोहरा सेहगलः फैटी' नाम से जोहरा की जीवनी लिखी। ओडिशी नृत्यांगना किरन ने दुख जताते हुए कहा कि अपने अंतिम दिनों में उनकी मां को सरकारी फ्लैट तक नहीं मिला, जिसकी उन्होंने मांग की थी। उन्होंने कहा, ''वह जिंदादिली और ऊर्जा से हमेशा लबालब रहती थीं। मैं अभी विचित्र मनःस्थिति में हूं.. लेकिन यह ज्यादा दर्दनाक है कि उनके अंतिम दिनों में, उन्होंने एक सरकारी फ्लैट मांगा था जो उन्हें नहीं मिला।''

इस बीच, जोहरा के निधन की खबर फैलने पर फिल्म जगत ने ट्विटर की मदद से शोक व्यक्त किया। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''जोहरा सेहगल का 102 वर्ष की उम्र में निधन हो गया.. (उनका) क्या दौर रहा, वह कितनी प्यारी सहअभिनेत्री थीं। मैं उनकी आत्मा की शांति की कामना करता हूं।'' केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने भी अभिनेत्री के निधन पर संवेदना व्यक्त की।